भारत की बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजनाऐं

नदी घाटी परियोजना किसे कहते हैं?

नदियों की घाटियो पर बडे-बडे बाँध बनाकर ऊर्जा, सिंचाई, पर्यटन स्थलों की सुविधाएं प्राप्त की जातीं हैं। इसीलिए इन्हें बहूद्देशीय नदी घाटी परियोजना कहते हैं। नदी घाटी योजना का प्राथमिक उद्देश्य होता है किसी नदीघाटी के अंतर्गत जल और थल का मानवहितार्थ पूर्ण उपयोग। भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने बहु-उद्देशीय नदी घाटी परियोजनाओं को 'आधुनिक भारत का मंदिर' कहा था।

नदी घाटी परियोजनाओं के लाभ:

भारत में बहु-उद्देशीय नदी घाटी परियोजनाओं के प्रमुख लाभ निम्नलिखित है:

- बाढ़ों की रोकथाम।
- नदियों द्वारा जलमार्ग की सुविधा पर्याप्त कराना।
- बड़े बाँधों का निर्माण तथा उनके द्वारा बिजली का उत्पादन।
- बाँधों द्वारा सिंचित जल से भूसिंचन के साधन उपलब्ध करना।
- पानी के नियंत्रण से भूमि के कटाव को रोकना तथा भूमि संरक्षण के निमित्त विविध प्रकार के स्थलीय कार्य करना।
- वनसंक्षरण तथा वन और कृषि की भूमि का यथानुकूल विभाजन तथा नियंत्रण, मत्स्य उत्पादन तथा उसके वितरण का प्रबंध।
- पशु और पक्षियों की देखरेख तथा उनकी वृद्धि का आयोजन।
- घाटी के क्षेत्र में मलेरिया आदि अन्य बीमारियों आदि अन्य बीमारियों की रोकथाम।
- कृषि उत्पादन की खपत तथा वितरण का आयोजन।
- यातायात का प्रबंध।
- पुन: बिजली द्वारा संचालित उद्योगों का आयोजन।
- उद्योगों द्वारा बढ़ती समस्याओं का सामयिक समाधान।
- नदियों की स्वच्छता पर नियंत्रण तथा मानव जीवन से संबंधित बहुत सी अन्य बातों का आयोजन।
- प्रबंध एवं संपूर्ण नियंत्रण।
- सिंचाई का प्रबंध।
- पर्यावरण की रक्षा।

- भू-संरक्षण और मत्स्य पालन का विकास।

भारत की प्रमुख बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजनाओं की सूची:

परियोजना का नाम	नदी	लाभान्वित राज्य
भाखड़ा नांगल परियोजना	सतलुज नदी	पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान
व्यास परियोजना	व्यास नदी	राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश
दामोदर परियोजना	दामोदर नदी	झारखंड, वेस्ट बंगाल
हीराकुंड बांध परियोजना	महानदी	ओडिशा
चंबल परियोजना	चंबल नदी	राजस्थान, मध्य प्रदेश
तुंगभद्रा परियोजना	तुंगभद्रा नदी	आंध्र प्रदेश, कर्नाटक
मयूराक्षी परियोजना	मयूराक्षी नदी	वेस्ट बंगाल
नागार्जुन सागर परियोजना	कृष्णा नदी	आंध्र प्रदेश
कोसी परियोजना	कोसी नदी	बिहार और नेपाल
गण्डक नदी परियोजना	गण्डक नदी	बिहार और नेपाल
फरक्का परियोजना	गंगा, भागीरथी	पश्चिम बंगाल
काकड़ापारा परियोजना	ताप्ती नदी	गुजरात
तवा परियोजना	तवा नदी	मध्य प्रदेश
नागपुर शक्तिगृह परियोजना	कोरडी नदी	महाराष्ट्र
इंदिरा गांधी नहर परियोजना	सतलुज नदी	राजस्थान, पंजाब, और हरियाणा
उकाई परियोजना	ताप्ती नदी	गुजरात
पोचाम्पाद परियोजना	गोदावरी नदी	कर्नाटक
मालप्रभा परियोजना	मालप्रभा नदी	कर्नाटक
महानदी डेल्टा परियोजना	महानदी	ओडिशा
रिहंद परियोजना	रिहंद नदी	उत्तर प्रदेश
कुंडा परियोजना	कुंडा नदी	तमिलनाडु
दुर्गा वैराज परियोजना	दामोदर नदी	वेस्ट बंगाल, झारखंड
इडुक्की परियोजना	पेरियार नदी	केरल
टिहरी बांध परियोजना	भागीरथी नदी	उत्तराखंड
माताटीला परियोजना	बेतवा नदी	उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश

कोयना परियोजना	कोयना नदी	महाराष्ट्र
रामगंगा परियोजना	रामगंगा नदी	उत्तर प्रदेश
ऊपरी कृष्णा परियोजना	कृष्णा नदी	कर्नाटक
घाटप्रभा परियोजना	घाटप्रभा नदी	कर्नाटक
भीमा परियोजना	पवना नदी	महाराष्ट्र
भद्रा परियोजना	भद्रा नदी	कर्नाटक
जायकवाड़ी परियोजना	गोदावरी नदी	महाराष्ट्र
रंजीत सागर बांध परियोजना	रावी नदी	पंजाब
हिडकल परियोजना	घटप्रभा नदी	कर्नाटक
सतलुज परियोजना	चिनाब नदी	जम्मू कश्मीर
नाथपा-झाकरी परियोजना	सतलुज नदी	हिमाचल प्रदेश
पनामा परियोजना	पनामा नदी	गुजरात
कोल डैम परियोजना	सतलुज नदी	हिमाचल प्रदेश
कांगसावती परियोजना	कांगसवाती	वेस्ट बंगाल
पराम्बिकुलम अलियार परियोजना	8 छोटी नदियों पर बना है यह बांध	तमिलनाडु और केरल
मुचकुंड परियोजना	मुचकुंड नदी	ओडिशा और आंध्र प्रदेश
गिरना परियोजना	गिरना नदी	महाराष्ट्र
शारदा परियोजना	शारदा नदी, गोमती नदी	उत्तर प्रदेश
पूर्णा परियोजना	पूर्णा नदी	महाराष्ट्र
बार्गी परियोजना	बार्गी नदी	मध्य प्रदेश
हंसदेव बंगो परियोजना	हंसदेव नदी	मध्य प्रदेश
दंडकरण्य परियोजना	–	ओडिशा, मध्य प्रदेश
शरावती परियोजना	शरावती नदी	कर्नाटक
पंचेत बांध	दामोदर नदी	झारखंड, वेस्ट बंगाल
गंगा सागर परियोजना	चंबल नदी	मध्य प्रदेश
बाणसागर परियोजना	सोन नदी	बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश
नर्मदा सागर परियोजना	नर्मदा नदी	मध्य प्रदेश, गुजरात
राणा प्रताप सागर परियोजना	चंबल नदी	राजस्थान
जवाहर सागर परियोजना	चंबल नदी	राजस्थान

सरहिंद नाहर परियोजना	सतलज नदी	हरियाणा
तुलबुल परियोजना	झेलम नदी	जम्मू-कश्मीर
दुलहस्ती परियोजना	चिनाब नदी	जम्मू-कश्मीर
तिलैया परियोजना	बराकर	झारखंड
सरदार सरोवर परियोजना	नर्मदा नदी	मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान